अमर उजाला

बरेली
बृहस्पतिवार, 17 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण-अष्टमी
विक्रम संवत-2082

PAGE NO :08 MIDDLE

काव्य के सुरों से छेड़े प्रेम और व्यंग्य के तार

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में साहित्य सरिता श्रृंखला की ओर से बृहस्पतिवार को कवि सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेम, समाज, आध्यात्म, देशभक्ति और हास्य-व्यंग्य जैसे विषयों पर कविता पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम लखनऊ से पधारे कवि दिव्यांश रावत ने संवेदनशील पंक्तियां, अपने हैं सब पराया कोई नहीं सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बरेली की युवा कवियत्री स्नेह सिंह ने भगवान शंकर की महिमा और सामाजिक मूल्यों पर केंद्रित रचनाओं के माध्यम से भावुकता और चेतना का समन्वय प्रस्तुत किया।

इस दौरान शाहजहांपुर, बरेली, बदायूं, आदि जगहों से कवियों ने कविताएं प्रस्तुत कर श्रोताओं की वाह-वाही लूटी। कार्यक्रम का संचालन अश्वनी चौहान ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति , आदित्य मूर्ति , डॉ.प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना मौजूद रहे। संवाद